स्वर्ण महोत्सव

श्रीगुरुगीता पाठ की ५०वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में

सिद्धयोग सत्संग

३ जनवरी, २०२२

आत्मीय पाठक,

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

दो ही दिन पहले, १ जनवरी को हमें मधुर सरप्राइज़ में भाग लेने का और वर्ष २०२२ के लिए गुरुमाई चिद्विलासानन्द का सन्देश ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। और आज, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हम सभी एक और सिद्धयोग सत्संग में भाग लेकर शक्ति के उसी अनुभव के साथ बने रहेंगे।

७ जनवरी, १९७२, वह दिन था जब बाबा मुक्तानन्द ने प्रातःकालीन श्रीगुरुगीता के पाठ को आश्रम की दिनचर्या के एक भाग के रूप में स्थापित किया। वह क्षण सिद्धयोग पथ के साधकों के लिए अत्यधिक रूप से महत्त्वपूर्ण भी था और अश्चर्यजनक रूप से उत्साह से पूरित भी। श्रीगुरुगीता के नियमित अध्ययन व पाठ ने हरेक की इस समझ को रूपान्तरित कर दिया कि श्रीगुरु कौन हैं।

यह वर्ष सिद्धयोग पथ पर श्रीगुरुगीता पाठ की ५०वीं वर्षगाँठ का यानी स्वर्ण महोत्सव का वर्ष है। मैं जानता हूँ कि आप में से बहुत-से लोग श्रीगुरुगीता के पाठ का अभ्यास दीर्घकाल से कर रहे हैं; हो सकता है कि श्रीगुरुगीता की आपकी पुस्तक अब आपकी सबसे क़ीमती धरोहर का भाग बन गई है। हो सकता है कि आप में से कुछ लोगों को हाल ही में, श्रीगुरुगीता व इसके पाठ के प्रति अपने प्रेम व जुड़ाव का अनुभव हुआ हो। हम में से जिन साधकों को इन पवित्र मन्त्रों के पाठ से लाभ हुआ है और जो हमारे पाठ की शक्ति व इससे प्राप्त फलों को जान पाए हैं, उनके लिए यह वर्षगाँठ, उत्सव मनाने का एक महत्त्वपूर्ण और आनन्दमय सुअवसर है।

इसलिए इस स्वर्ण महोत्सव का सम्मान करने हेतु सिद्धयोग सत्संग में भाग लेने के लिए आपको आमन्त्रित करते हुए मुझे बहुत हर्ष हो रहा है। सत्संग में हम एक-साथ मिलकर श्रीगुरुगीता का पाठ

करेंगे। जब हम साथ मिलकर श्रीगुरुगीता गाते हैं, तब हमारे पाठ की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है; हमारे पाठ के फल उसी अनुपात में बढ़कर प्रकट होते हैं।

यह सत्संग शुक्रवार, ७ जनवरी को ईस्टर्न स्टैन्डर्ड टाइम के अनुसार सुबह १०.०० बजे शुरू होगा और यह सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर सीधे वीडिओ प्रसारण के माध्यम से आयोजित होगा। जो लोग इस समय में भाग न ले सकते हों, उनके लिए यह सत्संग उसके बाद कुछ दिनों तक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

शुभकामनाओं सहित,
कार्लोस डेल क्वेटो

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।